three ships to six ships. May I know what stands in the way of the Government doing that because the need of Indian shipping is unlimited. Why does not the Government take steps to step up production?

PROF. V. K. R. V. RAO: I am grateful for the hon. Member's support. That is exactly what the Government is feeling today. But you cannot straightway make three ships into six ships. You must have more facilities, you must have the dry docks, you must have the equipment and more machinery, etc. Programmes have been drawn up, plans have been made and they are all under consideration, under review, at various stages of process which, I am sure, my hon. friend is much more familar with than I.

SHRI ARJUN ARORA: Speed up the processes.

SHRIMATI DEVAKI GOPIDAS: May I know why there is such an inordinate delay in commencing the construction of the shipyard at Cochin. This was sanctioned by the Government in the Second Plan itself. Because of its absence, we have to depend largely on the foreign shipyards for repairs of ships even. So I would like to know when we can expect the construction of this shipyard to be commenced.

PROF. V. K. R. V. RAO: I think that is coming out of another question.

इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन को घाटा

*545. **श्री राजनारायण** : क्या पर्यटन तथा नागरिक विमान चालन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंडियन एयरलाइन्स कारपोरेशन के आकलन के अनुसार डकोटा की जगह एवरो जेट का इस्तेमाल करने पर 100 प्रतिशत यात्रियों के सफर करने के बावजूद घाटा होगा ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह घाटा एवरो जेट के ब्रेक-इविन-प्वाइन्ट के सौ प्रतिशत से भी ज्यादा होने के कारण होगा; और

(ग) क्या यह भी सच है कि एवरो की चलन लागत और मूल्य वगैरह अभी बहुत ज्यादा है और यदि हां, तो इन सब तथ्यों के बावजूद एवरो जेट हासिल करने के पीछे क्या कारण है ?

†[LOSSES INCURRED BY I.A.C.

*545. SHRI RAJNARAIN: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that according to the estimates of the Indian Airlines Corporation, losses will be incurred if the Avro Jets are put to use in place of Dakotas even if their hundred per cent passenger carrying capacity is utilized;

(b) whether it is also a fact that this loss will be due to Break-even point of Avro Jet more than hundred per cent; and

(c) whether it is also a fact that the price and the operational cost etc. of Avro is still very high and if so, what are the reasons for procuring these Avro Jets despite these facts?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRIMATI JAHANARA JAIPAL SINGH): (a) and (b) Avros are fitted with turbo-prop engines and not with jets. There is no reason to believe that introduction of Avros will, by itself, cause financial loss to the Corporation.

(c) The decision to go in for indigenously manufactured Avros was reached with due regard to all factors including its cost *vis-a-vis* comparable aircraft to be imported.

† [ ] English translation.

‡[पयटन तथा नागरिक विमान चालन मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती जहानारा जयपाल सिंह): (क) और (ख) एवरों विमानों में टर्बो-प्राप इंजन लगे होते हैं, जेट इंजन नहीं। यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं कि अपने आप में एवरो विमानों का चालन प्रारम्भ करने से कारपोरेशन को कोई वित्तीय हानि होगी।

(ग) एवरों विमानों को प्राप्त करने का निर्णय आयात किये जाने वाले इनके मुकाबले के विमानों की तुलना में इनकी कीमत सहित सभी बातों को ध्यान में रखने के बाद किया गया।]

श्री राजनारायण : क्या सरकार यह स्पष्ट करेगी कि एवरो जेट विमान के बनाने में कितना खर्च लगता है इसके मेनटेनेंस में कितना खर्चा लगता है और इसी के साथ साथ डेकोटा के निर्माण और उसके मेनटेनेन्स में कितना खर्चा लगता है।

श्री ए० डी० मणि : पुरानी कहानी है।

डा० करण सिं : सब से प्रथम मैं यह कह दूं कि एवरो जेट नही है टर्बो प्राप है। दूसरा जो प्रश्न है तो हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड कानपुर जो कि डिफेंस मिनिस्ट्री की फैक्ट्री है वह इसको बेचेंगे और इस समय 82.53 लाख रू० एक एवरो की कीमत उन्होंने रखी है डिवैल्युएशन के बाद। अब डकोटा तो बड़ा प्राचीन विमान है वह हमारे देश में बनता नहीं है इस लिये उस संबंध में तो मैं कोई जानकारी नहीं बता सकता लेकिन यह जो एवरो है इसे डकोटाज के स्थान पर हम ले रहे है और हमें विश्वास है कि यह डकोटा से अच्छे जायेंगे।

श्री राजनाराण : वास्तव में मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि एक डकोटा के इस्तेमाल में कुल कितना खर्चा लगता है, कहीं से भी यह आता हो कहीं बनता हो, इस सरकार को एक डकोटा पर कुल कितना खर्चा करना पड़ता है और एवरो पर कितना खर्चा करना पड़ता है—वह तो बता ही दिया—और इसमें कितने यात्री बैठते हैं बैठ सकते हैं और उसमें कितने यात्री बैठ सकते हैं।

दूसरे यह कि इस सवाल का जो (ख) भाग है उसका जवाब नहीं मिला कि क्या यह भी सच है कि यह घाटा एवरो जेट के ब्रेक-इविन-प्वांइट के सौ प्रतिशत भी ज्यादा होने के कारण होगा इसके बारे में मंत्री जी ने कोई साफ उत्तर नहीं दिया।

तो मैं जानना चाहूंगा कि इनको बनाने में कितना खर्चा है मेनेजमेंट में कितना खर्चा है, यात्री की कैपेसिटी के हिसाब से क्या है रनिंग एक्सपेंसेज़ क्या है यह पूरी की पूरी तुलनात्मक रूप से क्या मंत्री जी इस सदन को जानकारी करायेंगे।

डा० कर्ण सिंह : जो इस समय जानकारी है वह मैं पूरी हाजिर करता हूं। डकोटा के बनाने का तो प्रश्न उठता नहीं वह हमारे यहां बनते नहीं।

श्री राजनारायण : खरीदने पर कितना पड़ता है।

डा० कर्ण सिंह : जहां तक पैसेंजर्स का प्रश्न है डकोटाज में 21 से ले कर 28 तक यात्री बैठ सकते हैं और एवरो में 36 से ले कर 40 तक यात्री बैठ सकते हैं। दूसरी जानकारी यह है कि कास्ट-पर-फ्लाइंग-हावर डकोटा का 1215 रू० है और एवरो का 2811 रू० है। बस यही जानकारी मेरे पास है। और आपने क्या प्रश्न किया।

श्री राजनारायच : एक डकोटा के खरीदने में कितना पैसा लगता है।

डा० कर्ण सिंह : जहां तक मैं जानता हूं इस समय डकोटा खरीदा नहीं जा रहा है,

‡[ ] English translation.

बहुत प्राचीन विमान है, अभी बनता नहीं है, जो इस समय हमारे पास डकोटा है वह बहुत वृद्ध हो चुके है ।

श्री राजनारायण : यह कहिये कि जानकारी नहीं है ।

SHRI A. D. MANI: May I ask the Minister how the fuel consumption of the Avro Jet compares with the fuel consumption of the Viscount? I believe it is much higher than the fuel consumption of the Viscount.

DR. KARAN SINGH: I am afraid I do not have the fuel consumption figures here with me, Sir. But the cost of the Viscount per flying hour is Rs. 2,623 and that of the Avro is Rs. 2,811.

SHRI C. D. PANDE: First of all, what is the speed of Avro 748? As far as its running cost is concerned, it is almost 250 per cent of the running cost of a Dakota. At the same time, may I know what is the percentage of the imported components in this plane and what will be the perpetual drain on our foreign exchange to maintain that?

DR. KARAN SINGH: As far as the speed is concerned, the speed of the Avro is likely to be 200 or 210 miles an hour as against 150 miles of the Dakota. One of the great advantages of these Avros as against the Dakotas is that they are pressurised . . .

SHRI A. D. MANI: What is the speed of the Viscount?

DR. KARAN SINGH: I do not have the speed about it with me. This is a much smaller plane. The Viscount is a 4-engined plane and this is a smaller plane. This is an indigenously produced plane and it is air-conditioned and pressurised unlike the Dakotas at present. About the foreign exchange components, I am afraid still out of the total of Rs. 82.53 lakhs, as many as Rs. 57 lakhs are in foreign exchange components at present.

SARDAR RAM SINGH: May I know whether the Avro has been given the certificate of air-worthiness and, if so, why is the IAC reluctant to buy it?

DR. KARAN SINGH: No, It has secured the air-worthiness certificate and, in fact, we were anxious to fly it. But the planes were not available so far. I am going to Kanpur at the end of this month to take over the first Avro from the factory and after that, we will put it on the flight.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या श्रीमान यह बताने की कृपा करेंगे कि वाइकाउंट में 2,600 रु० प्रति घटे का लगभग खर्च पड़ता है और मेरा ऐसा अनुमान है कि उसमें एवरो से ज्यादा यात्री भी ले जाये जा सकते हैं और इधर एवरो मे 2,800 रु० प्रति घंटे का खर्चा होता है और यात्री 36 और 40 के बीच मे ले जाये जा सकते हैं तो ऐसी स्थिति में इस बात का प्रयत्न किया जायगा कि इनके यात्रियों की संख्या भी बढ़ सके और खर्चा प्रति घंटे का कम हो सके । इस दिशा में क्या प्रयत्न किया जायगा ।

डा० कर्ण सिंह : एवरो एक स्वदेशी विमान है हमारे देश मे तो यही एक विमान बनता है इसलिये हमारा यह यत्न था कि डकोटाज के बदले उनको रखे वाइकाउट के रिप्लेसमेंट का जो प्रश्न है उसके ऊपर अलग विचार किया जा रहा है ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : प्रश्न मेरा साफ है कि हम इसके लिये बहुत धन्यवाद देते हैं अपने यहां पर बनें अपने यहां का चीज का इस्तेमाल हो लेकिन तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाय, तो उसमे ज्यादा लगता है यात्रियों को कम लेता है तो उसको औरों के बराबर लाने की दृष्टि से हम इस दिशा में क्या कर रहे हैं ? विशेष प्रयत्न क्या कर रहे हैं ?

डा० कर्ण सिंह : हिन्दुस्तान एयरोनाटिकल लिमिटेड के पास इस समय मै समझता हू कोई नये पैसेन्जर विमान बनाने की योजना नही है लेकिन मै यह कह नही सकता क्योंकि डिफेस मिनिस्ट्री में है । मै पता लगाकर आनरेब्ल मेबर को सूचना दे सकूगा ।

SHRI RAM NIWAS MIRDHA· May I know, Sir, if it is true hat the so-called loss on the high operational cost of Avro is due to its price which, again, is high due to a very small number of aircraft manufactured? Will the Government consider placing a long-term and sufficiently, large order so that production can proceed apace and the cost reduced?

DR KARAN SINGH This matter of long-range order is under consideration. The factory is very anxious that we should place a long-range order, but the I A.C. has to consider various factors including the operational cost.

MR. CHAIRMAN· I want to make a statement to the hon Members. It is now 35 minutes and we are still on the second question, we have finished only one question. Is it just? There are 30 Questions on the roll. That wav we will cover only 3 to 4 Questions

Morever, I would also like to make it clear that so far as Leaders of parties are concerned, I will be very strict in not allowing them to put more than two questions when they are questioners. Other Members will have one supplementary each The Leaders of the parties who are questioners, when they put the question, will have only two supplementaries, nothing more than two

श्री राजनारायण : श्रीमन् मेरा एक रिक्वेस्ट आप से है . .

MR. CHAIRMAN· You are not putting a third question.

श्री राजनारायण : मै नही पूछ सकता हू । मै आपकी आज्ञा का पालन करने जा रहा हू । मगर एक रिक्वेस्ट मैं आप से कर रहा हूं कि हमसे जब आप यह उम्मीद करें तो उससे पहले सरकार से यह उम्मीद करें कि वे क्लियर डेफिनट शार्प आन्सर दे दे । इसके पहले उनसे कहे आप और तब हम लोग आपकी एडवाइस को फोलो करेगे ।

MR CHAIRMAN. I certainly wish to impress upon the Treasury Benches to give as detailed and as satisfactory an answer as possible.

SHRI BHUPESH GUPTA: It depends upon you, Sir.

श्री राजनारायण · अब क्या आपकी आज्ञा से मै एक प्रश्न पूछ सकता हूं । अगर आप आज्ञा दे तो मैं पूछ नही तो कोई बात नही है ।

MR. CHAIRMAN: This time exception will be made because I gave my ruling on this matter just now. Since the hon. Member has got one more question to put he may do so now as an exception.

श्री राजनारायण : मै अब भी आपका हुक्म मानने के लिये तैयार हू बैठ सकता हू । मै इस आश्वासन पर सवाल पूछूगा कि मन्त्री जी एग्जेक्ट उत्तर दे ।

एक वातावरण (एट्मोस्फेयर) क्रिएट किया जा रहा है कि यह स्वदेशी चीज बन रहा है । मै समझता हूं यह गलत है क्योंकि 8 2, 8 3 फीसदी पार्टट्स इसके अब भी विदेश से आ रहे है । मै जानना चाहता हूं कि इससे सस्ते और कोई हवाई जहाज बनाने की पासिबिलिटी पर क्या सरकार ने कभी कोई प्रयत्न किया है ? क्या 8 2, 8 3 फीसदी पार्ट्स जो बाहर से आएंगे उन्ही को जोड़कर देने से यह स्वदेशी मान लिया जाय ?

डा० कर्ण सिंह : जी किसी पैसेन्जर विमान बनाने पर विचार नही किया गया है लेकिन इसमे जो विदेशी चीजें लगती है उनको कम करने का प्रयत्न हमेशा किया जाता है फैक्टरी की ओर से ।

(*Interruptions.*)

यह फैक्टरी डिफेंस मिनिस्ट्री में है इसलिये मै और कुछ नही कर सकता ।

DEVELOPMENT OF FISHERIES IN ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

546. SHRIMATI DEVAKI GOPIDAS: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Andaman and Nicobar Administration have submitted a Master Plan for the Development of fisheries there;

(b) if so, whether it is a fact that Government have ordered a survey to be conducted in this regard; and

(c) whether it is a fact that Indonesian fishing ships are frequently making encroachments into our waters around these islands for fishing?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI D. ERING): (a) A Master Plan for the Development of fisheries has been drawn up as a part of the accelerated resources development programme for the Islands.

(b) The Plan includes survey of the seas around the Andamans by means of deep sea exploratory vessels and programmes have been drawn up accordingly.

(c) A few cases of Indonesian ships fishing in the seas around the Andamans have been reported but encroachments into territorial waters have not been many.

SHRIMATI DEVAKI GOPIDAS: May I know, Sir, whether there is any time stipulated for the completion of the survey and whether in the meanwhile the Government will go ahead with the project by putting on the sea a few mechanised fishing boats because it is evident that there is enough encroachment by Indonesian ships and others? We know that there is enough of fish and fauna available around the island. Because there is so much of sea and there is no other industry that is being developed there this is the only project that can be had in that area.

SHRI ANNASAHEB SHINDE: It is true that there is considerable fishcatch potential in that area. That is why we are trying to prepare a comprehensive scheme to undertake in-shore fishing as well as deep-sea fishing in that area.

One of the questions put by the hon. lady Member was regarding patrolling facilities. A launch has been provided for patrolling the territorial waters round about Andaman-Nicobar islands.

In regard to part (i) of the hon. Lady Member's question, the exploration work is under way. Steps are being taken to prepare designs and specifications for the boats for deep-sea survey. This matter is pending with the Finance Ministry at the moment. Funds have also been sanctioned recently for the preparation of fishing harbour near Port Blair.

SHRIMATI DEVAKI GOPIDAS: Sir, whenever we want to put off a thing we appoint a committee. May I know, Sir, whether this will also meet the same fate or whether it will be expedited and not delayed because of surveying? That was my first question.

SHRI ANNASAHEB SHINDE: Sir, as far as fisheries development near the in-shore is concerned, that is